हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, गुरुवार 23 जुलाई 2026

11 भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के खिलाफ प्रदर्शन

12 बरसात में नंगे पैर सड़कों पर उतर वकील ने किया प्रदर्शन

खबर संक्षेप

देवास की बेटी हिमांशी ने प्री-नेशनल में बनाई जगह

महेंद्रगढ़। गांव देवास की होनहार निशानेबाज हिमांशी भारद्वाज ने 10 मीटर एयर पिस्टल सब-यूथ वर्ग की प्री-नेशनल प्रतियोगिता देहरादून में शानदार प्रदर्शन कर 350 अंक हासिल किए और नेशनल चैंपियनशिप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। हिमांशी की इस उपलब्धि से पूरे गांव देवास, परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। हिमांशी के स्वर्गीय पिता डॉ. हिमांशु भारद्वाज उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा रहे हैं। उनकी माता ललिता भारद्वाज ने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया और हर परिस्थिति में उनका पूरा सहयोग किया। हिमांशी की इस सफलता पर परिवार, कोच और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामना दी हैं।

जंतर-मंतर की बर्बरता लोकतंत्र पर कलंक

महेंद्रगढ़। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हुई कथित बर्बरता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं हरियाणा के पूर्व मुख्य संसदीय सचिव राव दान सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध के दौरान विपक्ष के नेता को जिस तरह सड़कों पर घसीटा गया, वह भारतीय लोकतंत्र की गरिमा पर गंभीर आघात है। राव दान सिंह ने कहा कि देश का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार देता है। लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वालों के साथ बल प्रयोग करना भाजपा का अहंकार है।

1965 की लड़ाई में शहीद की प्रतिमा मंजूरी में ही देरी पत्नी व छोटा नेत्रहीन भाई 6 माह से काट रहे चक्कर

उपायुक्त कार्यालय पर लगाया देरी का आरोप हताश होकर नेत्रहीन भाई ने मीडिया के समक्ष रोया प्रशासन का दुखड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिस सैनिक ने साल 1965 में पाकिस्तान सेना के साथ युद्ध लड़ा और अपनी मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपना सर्वाच्च बलिदान दिया। उसका परिवार उसी शहीद की प्रतिमा की मंजूरी के लिए प्रशासन के चक्कर काट रहा है। स्थानीय तौर पर पंचायत, स्कूल, शिक्षा विभाग व सैनिक बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद उपायुक्त कार्यालय में फाइल को मंजूर नहीं करने का आरोप शहीद का परिवार लगा है। शहीद की पत्नी कमला देवी और शहीद का छोटा नेत्रहीन भाई वेदप्रकाश आर्य छह माह से उपायुक्त कार्यालय में चक्कर काट रहे है। इस परिवार का कहना है कि प्रतिमा हम हमारे पैसे से स्थापित करेंगे, प्रशासन से तो केवल मंजूरी ले रहे है। इस मंजूरी में ही शहीद परिवार को प्रशासन के द्वार पर चक्कर काटने पड़ रहे है।

यह है शहीद परिवार की शिकायत

गांव गणियार वासी वेदप्रकाश आर्य ने बताया है कि उसका बड़ा भाई सतपाल सिंह सैनिक वर्ष 1965 के युद्ध में शहीद हो गया था। उसकी प्रतिमा स्थापित करने के लिए राजकीय प्राथमिक विद्यालय गणियार के प्रांगण में प्रस्ताव दिया था। ग्राम गणियार की पंचायत ने भी अपनी स्वीकृति दे दी है। स्कूल कमेटी ने भी अपनी मंजूरी दे दी है। यह सभी प्रस्ताव विद्यालय के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय भेजे जा चुके है। शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को उपायुक्त कार्यालय भेज दिया। उपायुक्त कार्यालय द्वारा जिला सैनिक बोर्ड से रिपोर्ट मांगी। जोकि 18 मई को सैनिक बोर्ड के द्वारा वापस उपायुक्त कार्यालय को रिपोर्ट बनाकर भेज दी गई। इसके बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। जबकि वह और सैनिक की पत्नी स्वयं उपायुक्त मैडम से दो से तीन बार मिल भी चुके है। इससे पहले उपायुक्त रहे कैप्टन मनोज कुमार से भी मिल चुके है। इसके बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उपायुक्त कार्यालय की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उपायुक्त कार्यालय लापरवाही में इतना लिप्त है, जिसका विवरण नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से हर सप्ताह समाधान शिविर लगाया जाता है, वह केवल एक दिखावा है। इसके अलावा कुछ नहीं। इसके अलावा सीएम विंडो पर भी सवालिया निशान है। इस कार्यवाही की शुरूआत किए हुए छह माह की अवधि समाप्त हो गई। यह शहीदों सम्मान नहीं बल्कि अपमान है। इस संबंध में जिला प्रशासन का पक्ष जानने के लिए उपायुक्त अनुपमा अंजली के पास मोबाइल कॉल की गई, उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। इसके बाद पक्ष जानने के लिए व्हाट्सएप पर भी मैसेज भेजा गया, उसका भी शाम सात बजे तक जवाब नहीं मिल पाया था।

ग्रामीणों ने उठाए निर्माण गुणवत्ता पर सवाल

पहली बार पानी छोड़ने के बाद बह गई 2.66 करोड़ की रिचार्ज परियोजना की स्टोन पिचिंग

ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना के तहत बनाई गई स्टोन पिचिंग कई स्थानों से उखड़कर बह गई, जबकि कंक्रीट से निर्मित हिस्सों में भी दरारें और क्षति दिखाई देने लगी है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

जिले के गांव माजरा कलां के पास दोहान नदी क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा करीब दो करोड़ 66 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई रिचार्ज परियोजना पहली बार ही पानी छोड़े जाने के बाद सवालों के घेरे में आ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना के तहत बनाई गई स्टोन पिचिंग कई स्थानों से उखड़कर बह गई, जबकि कंक्रीट से निर्मित हिस्सों में भी दरारें और क्षति दिखाई देने लगी है। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और विजिलेंस जांच कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार दोहान नदी क्षेत्र में भूजल स्तर सुधारने और वर्षा जल के बेहतर संरक्षण के उद्देश्य से सिंचाई विभाग ने रिचार्ज परियोजना का निर्माण कराया था। इस परियोजना के तहत नदी क्षेत्र में स्टोन पिचिंग, कंक्रीट संरचनाएं और अन्य आवश्यक निर्माण कार्य किए गए थे। परियोजना पर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन पहली बार पानी छोड़े जाने के दौरान ही कई स्थानों पर स्टोन पिचिंग उखड़ गई और बहाव के साथ पत्थर बिखर गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप किया गया होता तो इतनी जल्दी इस प्रकार का नुकसान नहीं होता। उनका आरोप है कि निर्माण में इस्तेमाल किए गए पत्थरों की गुणवत्ता कमजोर थी और कंक्रीट का मिश्रण भी निर्धारित अनुपात में तैयार नहीं किया गया। यही कारण है कि पानी का दबाव पड़ते ही निर्माण कार्य टिक नहीं पाया।

महेंद्रगढ़। क्षतिग्रस्त हुई स्टोन पिचिंग। फोटो : हरिभूमि

दोबारा होगी रिपेयरिंग

यह मामला मेरे सज्ञान में आया हैं। एजेंसी को लेटर जारी कर दोबारे से रिपेयरिंग करवाई जाएंगी।
-अरूण कुमार, एसडीओ, सिंचाई विभाग, महेंद्रगढ़

विजिलेंस जांच की मांग

ग्रामीणों ने विजिलेंस जांच की मांग करते हुए कहा कि करोड़ों रुपये की सरकारी परियोजना में यदि घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ है या गुणवत्ता से समझौता किया गया है तो इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। उनका कहना है कि आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई होने से भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर रोक लगेगी और सरकारी धन का सही उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में परियोजना की गुणवत्ता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि सरकार विकास कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं होंगे तो योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पाएगा। अब सभी की निगाहें प्रशासन और सिंचाई विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और यदि कहीं भी अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर परियोजना को फिर से सुरक्षित और मजबूत बनाया जाएगा, ताकि इसका वास्तविक लाभ क्षेत्र के किसानों और आम लोगों को मिल सकें।

कई जगह स्टोन पिचिंग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त

ग्रामीण नरेश, राजेंद्र होलदार, विक्रम व सुधीर ने बताया कि नदी क्षेत्र में कई जगह स्टोन पिचिंग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। कुछ स्थानों पर कंक्रीट की परतें भी टूटती हुई दिखाई दे रही हैं। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि यदि भविष्य में अधिक मात्रा में पानी छोड़ा गया तो परियोजना को और अधिक नुकसान पहुंच सकता है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि निर्माण टिकाऊ नहीं है तो यह गंभीर लापरवाही का मामला है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की किसी स्वतंत्र एजेंसी से तकनीकी जांच कराई जाए।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

सीआईए ने की अवैध शराब की 117 पेटियां बरामद, पिकअप जब्त

नारनौल। जिले में अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने आठ पेटी बोतल अंग्रेजी शराब, 41 पेटी पव्वा, 67 पेटी पव्वा बरामद की। बरामद शराब को कब्जे में लेकर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक पिकअप, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई है। चंडीगढ़ से भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर जालौर (राजस्थान) की ओर जा रही है। सूचना के आधार पर सीआईए ने बस स्टैण्ड खटोटी खुर्द पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। जांच के दौरान संदिग्ध पिकअप को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पिकअप में रखे पीओपी के कट्टों के नीचे छिपाकर रखी गई शराब की पेटियां बरामद हुईं। वाहन के नंबर प्लेट एवं कागजात की जांच करने पर नंबर प्लेट फर्जी पाई गई तथा चालक वाहन के वैध कागजात व बरामद शराब से संबंधित कोई वैध लाइसेंस/परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस द्वारा चालक से पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान भंवरलाल निवासी सांचौर जिला जालौर (राजस्थान) के रूप में बताई। पुलिस ने मौके पर ही अवैध शराब को कब्जे में लिया और परिवहन में प्रयुक्त पिकअप को भी जब्त कर लिया। आरोपित के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत थाना सदर में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

यूजी प्रथम वर्ष की पहली फाइनल मेरिट सूची जारी

27 जुलाई तक होगी फीस जमा

- दूसरी मेरिट सूची 29 जुलाई को होगी जारी, चयन से वंचित विद्यार्थियों को इंतजार की सलाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजकीय महाविद्यालय में स्नातक (यूजी) प्रथम वर्ष प्रवेश प्रक्रिया के तहत बुधवार को पहली फाइनल मेरिट सूची जारी कर दी गई। अब इस सूची में चयनित विद्यार्थियों को 23 से 27 जुलाई तक ऑनलाइन फीस जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करना होगा। निर्धारित समय सीमा में फीस जमा नहीं करने पर संबंधित सीट अगले चरण के लिए रिक्त मानी जाएगी। प्रवेश प्रभारी डॉ. सतीश सैनी ने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से जारी फाइनल मेरिट सूची के आधार पर ही प्रवेश दिए जाएंगे। विद्यार्थियों को अपने लॉगिन पोर्टल पर नियमित रूप से प्रवेश आवंटन, फीस भुगतान तथा अन्य आवश्यक सूचनाएं देखते रहना चाहिए। किसी भी प्रकार की दस्तावेज संबंधी या तकनीकी समस्या होने पर विद्यार्थी महाविद्यालय के प्रवेश सहायता केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

विभाग की ओर से जारी फाइनल मेरिट सूची के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों में सामान्य वर्ग की कटऑफ सबसे अधिक बीसीए में 92.40 प्रतिशत रही, जबकि बीएससी लाइफ साइंस में 89.20 प्रतिशत, बीएससी फिजिकल साइंस में 84 प्रतिशत, बीकॉम में 86 प्रतिशत, बीए में 82.80 प्रतिशत तथा बीबीए में 82.80 प्रतिशत अंक तक प्रवेश मिला। विभिन्न आरक्षित वर्गों की कटऑफ भी विभाग की ओर से जारी सूची में प्रदर्शित की गई है। डॉ. सतीश सैनी ने बताया कि प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद 28 जुलाई को दूसरी प्रोविजनल मेरिट सूची जारी होगी। इस पर प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के बाद 29 जुलाई को दूसरी फाइनल मेरिट सूची प्रकाशित की जाएगी। दूसरी सूची में चयनित विद्यार्थियों को 30 जुलाई से तीन अगस्त तक ऑनलाइन फीस जमा कर प्रवेश लेना होगा। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों का नाम पहली फाइनल मेरिट सूची में शामिल नहीं हो पाया है, वे निराश न हों और दूसरी मेरिट सूची का इंतजार करें। साथ ही केवल उच्चतर शिक्षा विभाग व महाविद्यालय की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें तथा प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी सभी औपचारिकताएं निर्धारित समय पर पूरी करें।

फाइनल मेरिट सूची

पाठ्यक्रम	एआईओसी	ईडब्ल्यूएआईओसी	एचओजीसी	ईडब्ल्यूएचओजीसी	ओएससी	डीएससी	बीसीए	बीसीबी	ईएसएम/एफएफ
बीए	82.80	54.60	63.80	——	54.40	41.00	42.40	48.00	63.00
बीबीए	92.80	81.60	84.60	76.60	74.00	63.20	76.40	82.00	72.40
बीकॉम	86.00	——	54.60	——	——	——	——	——	——
बीसीए	92.40	83.60	86.00	80.60	78.80	82.20	77.80	83.00	72.40
बीएससी लाइफ साइंस	89.20	78.60	80.40	62.60	62.60	56.20	57.00	78.20	68.80
बीएससी फिजिकल साइंस	84.00	61.00	66.00	——	62.80	62.80	——	58.80	——

अघोषित बिजली कट से उपभोक्ता परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतनाली मंडी

सतनाली कस्बे में अघोषित बिजली कटौती से परेशान स्थानीय निवासियों ने बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर डीएचबीवीएन एसडीओ ऑफिस में ज्ञापन सौंपा। एसडीओ के नाम सौंपे ज्ञापन में उपभोक्ताओं ने बताया कि कस्बे में पिछले कुछ दिनों से बार-बार बिजली के अघोषित लंबे कट लग रहे हैं, जिससे उपभोक्ता परेशान हैं। उन्होंने मांग की कि कस्बे में ट्रांसफार्मरों पर रिले की व्यवस्था की जाए, ताकि किसी एक ट्रांसफार्मर में फॉल्ट आने पर पूरे गांव की बिजली बाधित न हो।

वर्तमान स्थिति में एक स्थान पर तकनीकी खराबी आने से पूरे कस्बे की बिजली घंटों तक गुल रहती है, जिससे आमजन, व्यापारी, विद्यार्थी व किसान सभी प्रभावित हो रहे हैं।

सतनाली मंडी। बिजली कटौती की समस्या का ज्ञापन सौंपते उपभोक्ता।

ज्ञापन में यह भी कहा कि पूरी रात और दिनभर बिजली कटौती के कारण लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है।

इस मौके पर संतु शेखावत, एड. दिग्विजय शेखावत, एडवाकेट अंकित राठौड़, नगेन्द्र शेखावत, अनिल शेखावत, मनीष मित्तल, राजू गोठवाल फौजी, मुकेश जांगड़ा, प्रिंस वालिया, सोहन पहलवान, आदित्य वालिया, बिनु, सतीश, दीपक, आदि उपस्थित रहे। अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं होता है, तो धरना-प्रदर्शन को मजबूर होना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदारी निगम की होगी।

बीरबल का छत्ता और चोर गुंबद का डीसी ने किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बुधवार को जिले के प्रसिद्ध ऐतिहासिक धरोहर बीरबल का छत्ता (राय बाल मुकुंद दास का छत्ता) तथा चोर गुंबद का औचक निरीक्षण किया। उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना है। शहर अपनी प्राचीन ऐतिहासिक इमारतों और धरोहरों के लिए पूरे देश में एक विशेष पहचान रखता है। इन ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण और सौंदर्यकरण न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन उद्योग को भी नई गति प्रदान करेगा।

नारनौल। ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण करती डीसी अनुपमा अंजली। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त ने बीरबल का छत्ता के निरीक्षण के समय वहां चल रहे मरम्मत व जीर्णोद्धार कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता अश्विनी कुमार को निर्देश दिए कि जीर्णोद्धार के इस कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके बाद डीसी ने प्रसिद्ध चोर गुंबद का दौरा किया। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश कि ऐतिहासिक धरोहरों की पहचान उनकी भव्यता और स्वच्छता से होती है।

स्थायी पता सेवा के दौरान अथवा सेवानिवृत्ति के बाद बदला जा सकता है, होमटाउन पूर्ववत ही रहेगा

अब सेवा के दौरान बदला जा सकेगा स्थायी पता, लेकिन 'होमटाउन' रहेगा अपरिवर्तित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश सरकार के मानव संसाधन विभाग ने सरकारी कर्मचारियों के होमटाउन (गृह नगर/गृह जिला) तथा स्थायी पते को लेकर महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है। सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा तथा आवश्यक संशोधन इसी सीमा तक प्रभावी होंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 'होमटाउन' और 'स्थायी पता' दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं तथा दोनों को एक-दूसरे का विकल्प नहीं माना जाएगा। जारी निर्देशों के अनुसार किसी सरकारी कर्मचारी का होमटाउन वही गांव या शहर होगा, जहां वह सरकारी सेवा में पहली नियुक्ति से पहले निवास करता था, जहां उसका पारिवारिक एवं सामाजिक जुड़ाव है, जहां उसका या उसके संयुक्त परिवार का आवासीय संपत्ति पर स्वामित्व है अथवा जहां उसके निकट संबंधी रहते हैं। यही स्थान कर्मचारी का मूल गृह नगर माना जाएगा।

सेवा के बाद या सेवानिवृत्ति के बाद बदला जा सकता है स्थायी पता

निर्देशों में कहा गया है कि राजपत्रित अधिकारियों को उनके गृह जिले में पदस्थापित नहीं किए जाने का प्रावधान निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है। गृह जिले से बाहर पदस्थापन होने पर स्थानीय प्रभाव, पक्षपात, हितों के टकराव तथा संवेदनशील मामलों में निष्पक्ष निर्णय लेने में सुविधा रहती है। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, ईमानदारी और जनता का विश्वास भी मजबूत होता है। मानव संसाधन विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि स्थायी पता सेवा के दौरान अथवा सेवानिवृत्ति के बाद बदला जा सकता है, लेकिन होमटाउन (गृह जिला) पूर्ववत ही रहेगा। साथ ही, जिन कर्मचारियों के होमटाउन अथवा स्थायी पते में सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से पहले ही परिवर्तन किया जा चुका है, उन मामलों को दोबारा नहीं खोला जाएगा।

यहां लिखे स्थाई पता

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि सेवा के दौरान यदि कोई कर्मचारी नई जगह पर स्थायी रूप से बस जाता है, परिवार स्थापित कर लेता है अथवा वहां आवासीय संपत्ति खरीद लेता है, तो उसकी मांग पर उस स्थान को उसका "स्थायी पता" माना जा सकता है। इसके लिए सक्षम नियुक्ति प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक होगी। हालांकि, ऐसी स्थिति में भी कर्मचारी का होमटाउन या गृह जिला नहीं बदलेगा।

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

हाई बीपी की वजह से जब महसूस हो सिरदर्द

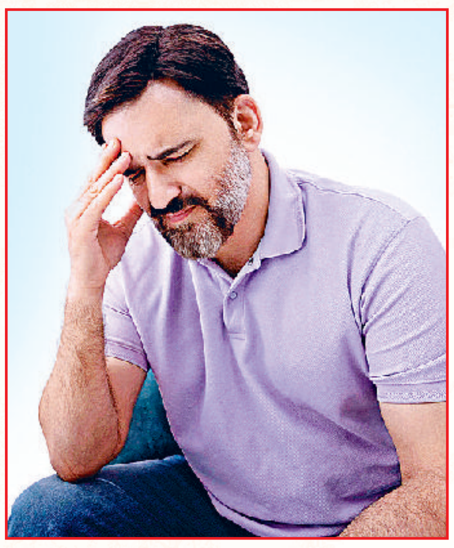

मेरी उम्र 43 वर्ष है। हाल ही में मुझे हाई बीपी की समस्या का पता चला। अकसर सिरदर्द और चक्कर महसूस होता है। कृपया बताएं मुझे कौन सी दवा और कैसी डाइट लेनी चाहिए?

-शेखर, बिलासपुर

आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वे एक हफ्ते तक बीपी मॉनिटर करेंगे। आपका बीपी कब बढ़ता है, किस समय ज्यादा होता है, इसका पता करेंगे। इसके बाद वह दवा डिसाइड करेंगे। बिना जांच के कोई भी बीपी की दवा खाना ठीक नहीं रहेगा। इसलिए डॉक्टर पूरा मॉनिटर करने के बाद ही दवा सजेस्ट करेंगे। उसे आपको रेग्युलर खाना होगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी स्किन पर लाल-लाल दाने और रैशेज हो जाते हैं। इनमें ईचिंग होती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-जितेश, जांजगीर चांपा

आपने यह नहीं बताया कि ये दाने पानी वाले हैं या सूखे? क्योंकि दोनों तरह के दाने का कारण अलग-अलग होते हैं। फिलहाल आप इन दानों को नाखून से खुजलाएं नहीं और इन पर नारियल का तेल लगाएं। अगर ज्यादा परेशानी हो रही हो तो आप त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं। फिलहाल कोई भी एंटी एलर्जी दवा आप ना लें।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरे पैर की अंगुलियों के बीच फफोले पड़ जाते हैं। इससे चलने-फिरने में काफी दिक्कत होती है। कृपया बताएं कि इससे कैसे निजात पाया जाए?

-देवेंद्र, महासमुंद

क्या आपके पैर बरसाती पानी में अधिक रहते हैं? क्योंकि कई बार इस पानी में गंदगी मिली होती है, जिससे पैरों में इंफेक्शन हो जाता है। अगर ऐसा है तो आप घर आकर पैरों को साबुन से धोएं और ठीक तरीके से पोंछें। अगर संभव हो तो डिसइंफेक्टेंट मिले पानी से धुलें और फिर उस के बाद सुखाकर नारियल तेल भी लगा सकते हैं। इससे आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ माह पहले किडनी में स्टोन का ऑप्रेशन हुआ था। कुछ दिनों से उसी स्थान पर दर्द हो रहा है। प्लीज बताएं अब मुझे क्या करना चाहिए?

-मुकेश, भोपाल

आपको डॉक्टर से संपर्क कर एक अल्ट्रासाउंड कर लेना चाहिए। अगर आपका ऑप्रेशन हो चुका है तो स्टोन के दर्द की संभावना बहुत कम है। हो सकता है कि इंफेक्शन की वजह से यह समस्या आ रही हो, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी करना ठीक नहीं है।

मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मुझे सर्दी-खांसी की समस्या लगातार बनी हुई है। कफ-सिरप और दवाइयां भी कुछ खास असर नहीं कर रहीं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-कमलेश, जींद

आप बता रहे हैं कि खांसी लंबे समय से आ रही है तो आपको डॉक्टर से संपर्क कर जांच करवा लेनी चाहिए। वैसे भी 2 सप्ताह से अधिक खांसी होने पर टीबी की जांच जरूर करा लेनी चाहिए। मौजूदा मौसम में वायरल इंफेक्शन भी हो जाता है, जिससे खांसी आती है। लेकिन आप फिलहाल फ्रिज में रखी चीज और ठंडा पानी पीना बिल्कुल बंद कर दें। बाजार का पानी भी न पिएं। इसके बाद भी राहत नहीं मिलती तो जरूर डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी अस्थमा की समस्या बढ़ जाती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्या करूं, जिससे इस बरसात के मौसम में स्वस्थ रह सकूं।

-रत्नेश्वर, जबलपुर

आपको घर से निकलते समय मुंह और नाक पर मास्क लगा लेना चाहिए। साथ ही जब तेज हवा या आंधी चले तो कोशिश करें घर के अंदर रहें, क्योंकि अस्थमा रोगियों को धूल से दिक्कत हो जाती है। इस तरह बचाव करके ही आपको राहत मिलेगी। लेकिन ज्यादा दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर आप इनहेलर या कोई दवा लिखवा सकते हैं। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक करना, समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित करना और इस बीमारी से होने वाली गंभीर जटिलताओं को रोकना है।

कैसे फैलता है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस रोग और इसके होने के कारणों के बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर के कंसल्टेंट-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, **डॉ. सचिन एच. जे.** बताते हैं कि हेपेटाइटिस एक वायरल संक्रमण है, जिसमें लिवर (यकृत) में सूजन आ जाती है। यह मुख्य रूप से हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई वायरस के कारण होता है। इनमें हेपेटाइटिस ए और ई आमतौर पर दूषित भोजन और पानी के सेवन से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित इंजेक्शन, संक्रमित सुई, असुरक्षित यौन संबंध तथा संक्रमित मां से नवजात शिशु में फैल सकते हैं। वहीं, हेपेटाइटिस डी केवल उन लोगों में होता है जो पहले से हेपेटाइटिस बी से संक्रमित होते हैं। संक्रमण के प्रकार के अनुसार बीमारी कुछ मामलों में कुछ सप्ताह में ठीक हो सकती है, जबकि कई मामलों में यह लंबे समय तक लिवर को नुकसान पहुंचाकर गंभीर रूप ले सकती है।

लापरवाही हो सकती है खतरनाक

हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लिवर में सूजन आ जाती है। यदि समय रहते इसका इलाज न कराया जाए तो यह लिवर सिरोसिस, लिवर फेलियर और लिवर कैंसर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है।

नहीं दिखते स्पष्ट लक्षण

हेपेटाइटिस रोग होने पर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शुरुआती चरण में अकसर इसके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। यही वजह है कि कई लोग वर्षों तक इस संक्रमण के साथ सामान्य जीवन जीते रहते हैं और उन्हें पता ही नहीं चलता कि उनका लिवर धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। जब तक लक्षण सामने आते हैं, तब तक बीमारी कई बार गंभीर अवस्था में पहुंच चुकी होती है। इसलिए हेपेटाइटिस के सामान्य लक्षणों के बारे में सजग रहना बहुत जरूरी है।

हेपेटाइटिस के प्रमुख लक्षण

हेपेटाइटिस के लक्षण अलग-अलग रोगियों में अलग तरह के हो सकते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में बिना कोई परिश्रम किए लगातार थकान महसूस होना, भूख कम लगना, मितली, उल्टी, लंबे समय तक हल्का बुखार बने रहना, पेट के दाईं ओर दर्द, आंखों और त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), गहरे रंग का पेशाब आना, हल्के रंग का मल तथा शरीर में कमजोरी शामिल हो सकती है। ऐसे किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर बिना देरी किए डॉक्टर से परामर्श लेकर आवश्यक जांच करानी चाहिए। इसमें लापरवाही बरतना जान लेवा हो सकता है।

स्पेशल: वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे, 28 जुलाई

हेपेटाइटिस, लिवर यानी यकृत में होने वाला गंभीर वायरल संक्रमण है। अलग-अलग कारणों, लक्षणों और गंभीरता के स्तर पर इसके कई प्रकार होते हैं। इन सभी का प्रॉपर ट्रीटमेंट संभव है लेकिन इसके लिए समय रहते हेपेटाइटिस की पहचान होना जरूरी है। इसलिए यहां डिटेल में हेपेटाइटिस के कारणों, उसके लक्षणों और इससे बचने के उपायों के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं।

हेपेटाइटिस समय पर पहचान से पॉसिबल है प्रॉपर ट्रीटमेंट

टीकाकरण-इलाज से बचाव संभव

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय**, हेपेटाइटिस से बचाव के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपायों के बारे में बताते हैं। उनके अनुसार, 'हेपेटाइटिस बी का सुरक्षित और प्रभावी टीका उपलब्ध है, इसलिए नवजात शिशुओं से लेकर जोखिम वाले वयस्कों तक सभी को डॉक्टर की सलाह के अनुसार टीकाकरण कराना चाहिए। साफ और सुरक्षित पानी का ही सेवन करें, भोजन की स्वच्छता का ध्यान रखें, केवल नई और स्टेराइल सुई का इस्तेमाल करें। बिना जांचे हुए रक्त कभी ट्रांसफ्यूज न करवाएं। हमेशा सुरक्षित यौन संबंध अपनाएं। टैटू या पियर्सिंग हमेशा प्रमाणित केंद्रों पर ही कराएं। यानी जहां पर हाइजीन और सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति को हेपेटाइटिस बी या सी का खतरा है या परिवार में किसी को यह संक्रमण है, तो समय पर ब्लड टेस्ट कराना बेहद जरूरी है। आज हेपेटाइटिस बी को दवाओं से नियंत्रित किया जा सकता है और हेपेटाइटिस सी का आधुनिक एंटीवायरल दवाओं से अधिकांश मामलों में सफल इलाज संभव है। इसलिए समय पर जांच और उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।'

सबसे जरूरी है जागरूकता

हेपेटाइटिस के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार जागरूकता, समय पर जांच, टीकाकरण और सही इलाज है। इस बीमारी की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि कई लोगों में लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे संक्रमण का पता देर से चलता है। ऐसे में जोखिम वाले लोगों को नियमित जांच करानी चाहिए और लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इन उपायों से होगा बचाव

हेपेटाइटिस से बचाने के लिए आप अपने दैनिक जीवनचर्या में यहां बताई जा रही बातों को अमल में लाकर सुरक्षित रह सकते हैं।

- हमेशा स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली को अपनाएं।
- स्वच्छ, ताजे और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। हमेशा स्वच्छ और संक्रमणमुक्त पानी ही पिएं। सबसे ज्यादा संक्रमण पानी से ही होता है इसलिए आरओ का पानी या फिल्टर किया हुआ पानी या फिर अच्छी तरह उबाले गए पानी को ही ठंडा कर पीना चाहिए।
- जब भी इंजेक्शन लगवाना हो तो केवल स्टेराइल सुई या डिस्पोजेबल नीडिल का ही का उपयोग करना चाहिए।
- संक्रमित रक्त से बचाव भी जरूरी है। इसलिए ब्लड ट्रांसफ्यूजन से पहले जरूरी सावधानी बरतें। परीक्षित रक्त ही ट्रांसफ्यूज करवाएं।
- हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना चाहिए क्योंकि इसका संक्रमण रोगी के संपर्क में आने से फैल सकता है।

ये सभी उपाय संक्रमण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने लिवर के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे और समय रहते सही कदम उठाए, तो हेपेटाइटिस से होने वाली अधिकांश गंभीर जटिलताओं और मौतों को रोका जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

सीजनल केयर

निकिता चौहान

आयुर्वेदिक काढ़े से बढ़ेगी इम्यूनिटी

मानसून के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहता है। इस कारण कुछ लोगों को जुकाम, खांसी, स्किन पर रैशेज, दाने, लूजमोशम, बुखार आदि समस्याएं होने लगती हैं। ऐसा उन लोगों के साथ ज्यादा होता है, जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी थोड़ी वीक होती है। इसलिए यहां आपको कुछ ऐसी जड़ी-बूटियों के बारे में बता रहे हैं, जिनका काढ़ा आप घर में ही आसानी से बनाकर पी सकते हैं, इससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी।

गिलोय: गिलोय की तासीर एंटी-पायरेटिक होती है, जो शरीर की गर्मी को खत्म करती है और कई बीमारियों से राहत दिलाता है जैसे डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार आदि में गिलोय का काढ़ा राहत प्रदान करता है।

अश्वगंधा: अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो मानसून में होने वाले वायरल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

चिरायता: बारिश के मौसम में पेट का संक्रमण बढ़ जाता है। जिस कारण एसिडिटी और लूज मोशन होने लगते हैं। चिरायता में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, जो हमारे पेट के संक्रमण को कम करने में मदद करते हैं।

मुलेठी: मानसून में उमस के करण शरीर पर चिपचिपाहट बढ़ जाती है, जिस वजह से रैशेज और खुजली होती है। मुलेठी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

सोंठ: बारिश के मौसम में पेट खराब होने के साथ, जुकाम, खांसी और बुखार आदि के मामले बढ़ जाते हैं। सोंठ में एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इसका काढ़ा पीने से मानसून में होने वाली बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

मोथा घास: मोथा घास को आयुर्वेद में बेहद लाभकारी माना गया है। यह मानसून सीजन में होने वाली खांसी, जुकाम, बुखार और स्किन से जुड़ी समस्यायों से राहत प्रदान करता है।

आमलकी: आमलकी में विटामिन-सी खूब पाया जाता हैं, जो मानसून में होने वाली बीमारियों से बचाव करता है।

बनाने का तरीका: यहां बताई गई सभी जड़ी-बूटियों को 30-30 ग्राम लें। सिर्फ सोंठ को 20 ग्राम ही लें। सभी को रात में पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद सुबह सभी जड़ी बूटियों को पानी में डालकर तेज आंच पर गर्म कर लें। अब काढ़ा तैयार है। फिर इसको हल्का ठंडा होने के बाद आधा गिलास सुबह और आधा गिलास शाम को पिएं। यह काढ़ा इस मौसम में रोगों से बचाव में बहुत उपयोगी है। लेकिन बेहतर होगा कि अपने डॉक्टर से कंसल्ट करके ही इस काढ़े का सेवन करें। *

(आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. श्रेय शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डिजीज

अंशु सिंह

सीआरपीएस एक असामान्य लेकिन बहुत पीड़ादायक समस्या है। यह वास्तव में नर्व्स से जुड़ी समस्या है। ऐसे में इसके लक्षणों को पहचानकर सही उपचार से ही रोगी को राहत मिल सकती है। इस बारे में विस्तार से जानिए।

सीआरपीएस यह दर्द सहा न जाए

कहते हैं कि ज्यादातर दर्द कोई न कोई संदेश देता है। यह आपके शरीर की चोट के बारे में बताता है, आराम करने के लिए प्रेरित करता है। चोट ठीक होने पर धीरे-धीरे कम हो जाता है। लेकिन कुछ लोगों में दर्द लंबे समय तक बना रहता है। कई बार तेज हो जाता है। मूल चोट के ठीक हो जाने के काफी समय बाद अपनी ही एक अलग स्थिति बना लेता है। इसे ही 'कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम' या सीआरपीएस कहते हैं, जो व्यक्ति की चाल-ढाल, संवेदना, त्वचा और जीवन की गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करती है। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह के बेटे आयुष्मान सेठी ने इंस्टाग्राम रील में मां की हिम्मत की तारीफ की कि कैसे साल 2025 में कलाई में चोट लगने के बाद उन्हें सीआरपीएस हो गया था। फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के सेट पर चोट लगने के बाद हुई इस बीमारी ने अर्चना के हाथ पर स्थाई असर डाला।

क्या है सीआरपीएस: नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ के अध्ययन के अनुसार, सीआरपीएस एक लंबे समय तक रहने वाली न्यूरोपैथिक दर्द की बीमारी है, जिसमें चोट लगने के बाद होने वाले सामान्य दर्द की तुलना में दर्द बहुत ज्यादा रहता है। वह लंबे समय तक बना रहता है। यह दर्द को आमतौर पर जलन, चुभन या धड़कन जैसा होता है। कलाई टूटने, सर्जरी के दौरान लगे कट या मामूली मोच जैसी चीजों से शुरू होने वाली यह समस्या आगे चलकर पूरे शरीर में होने वाले गंभीर दर्द में बदल सकती है। यह दो प्रकार के होते हैं। टाइप 1, बिना किसी नर्व इंजरी के होता है जबकि टाइप 2, नर्व डैमेज की पुष्टि होने के बाद होता है।

समस्या का मूल कारण: सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट **डॉ. विशाल** के अनुसार, सीआरपीएस एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल दर्द की स्थिति है, जिसमें किसी एक अंग, हाथ या पैर, चोट, फ्रैक्चर, सर्जरी या यहां तक कि मामूली आघात के बाद लॉन्ग पीरियड फंक्शनल और सेंसरी परिवर्तन विकसित करता है। यह कहीं से हड्डियों या मांसपेशियों को होने वाली क्षति की वजह से नहीं, बल्कि दर्द संकेतों की सही व्याख्या करने में तंत्रिका तंत्र की विफलता के कारण होता है। इस स्थिति में, मूल चोट ठीक होने के बाद भी मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी दर्द संदेश प्रसारित करना जारी रखते हैं। इससे लंबे समय तक दर्द, कठोरता, सूजन और गति में विकृति आती है। मोटर और ऑटोनॉमिक गड़बड़ियां होने से त्वचा का रंग बदलना, तापमान में बदलाव, सूजन, पसीना आना, अकड़न, कमजोरी और संवेदना में बदलाव आम है।

सीआरपीएस के लक्षण: जलन या चीरने जैसा दर्द, जो लगातार या रुक-रुक कर होता है। ऐसी चीजों से दर्द होना, जिनसे आमतौर पर दर्द नहीं होना चाहिए, जैसे हल्का छूना, हल्की हवा या तापमान में बदलाव। ऐसी चीजों पर बहुत ज्यादा दर्द महसूस होना, जिनसे आमतौर पर सिर्फ हल्की तकलीफ होती है, जैसे सुई चुभना। प्रभावित अंग पर धब्बे दिख सकते हैं। वह लाल, नीला, पीला या बैंगनी हो सकते हैं। प्रभावित हिस्से में सूजन (एडिमा) आ-जा सकती है या बनी रह सकती है। त्वचा चमकदार और पतली हो सकती है या उस पर बहुत ज्यादा पसीना आ सकता है। प्रभावित अंग को हिलाने की क्षमता कम होना, अकड़न बढ़ना, कंपन या मांसपेशियों में ऐंठन होना।

क्या है समाधान: जहां तक सीआरपीएस के उपचार का सवाल है, तो इसमें दर्द कम करने और शरीर की हलचल बनाए रखने पर ध्यान दिया जाता है। इसके लिए फिजियोथेरेपी, नसों के दर्द की दवाएं और कुछ खास मामलों में दर्द कम करने वाले इंटरवेंशनल प्रोसीजर का इस्तेमाल किया जाता है। डॉ. विशाल का कहना है कि मेंटल सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक रहने वाला दर्द मानसिक रूप से बहुत परेशान करता है। हालांकि सीआरपीएस जानलेवा नहीं है, लेकिन यह जिंदगी अवश्य बदल सकता है। इसलिए बीमारी की गंभीरता के बारे में जानकारी होना जरूरी है, ताकि मरीज समय पर इलाज करवा सके। उसे कभी भी नजरअंदाज न करें। *

अवेयरनेस

डॉ. एम. वली

सीनियर फिजिशियन

सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली

गर्मी में हीट स्ट्रोक हो या बरसात में संक्रमण से दस्त-उल्टी का प्रकोप या किसी बीमारी के कारण डिहाइड्रेशन, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सोल्यूशन) पीना लाभकारी है। **वर्ल्ड ओआरएस डे (29 जुलाई)** पर जानिए इसकी उपयोगिताओं के बारे में।

डिहाइड्रेशन से बचाने में सक्षम जीवनरक्षक ओआरएस

शरीर में पानी और आवश्यक लवणों (इलेक्ट्रोलाइट्स) की कमी पूरी करने वाला विशेष घोल है ओआरएस। डिहाइड्रेशन से बचाने वाला एक वैज्ञानिक, सुरक्षित और जीवनरक्षक उपाय है। सही समय पर, सही मात्रा में और सही तरीके से दिया गया ओआरएस गंभीर जटिलताओं और मृत्यु का जोखिम काफी हद तक कम कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ओआरएस चिकित्सा विज्ञान की सबसे प्रभावी और कम लागत वाली खोजों में से एक है, जिसने पिछले पांच दशकों में लाखों लोगों विशेषकर बच्चों की जान बचाई है।

क्या है ओआरएस: ओआरएस पानी, ग्लूकोज (शर्करा), सोडियम, पोटेशियम और क्लोराइड जैसे आवश्यक खनिज लवणों का वैज्ञानिक अनुपात में तैयार किया गया घोल है। जब शरीर से अधिक मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स निकल जाते हैं, तब यह घोल उनकी कमी को पूरा करने में मदद करता है।

क्या हैं फायदे: शरीर में पानी की कमी तेजी से पूरी करता है। इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखता है। डिहाइड्रेशन से होने वाली गंभीर जटिलताओं का जोखिम घटाता है। बच्चों में अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता कम कर सकता है। कम लागत में प्रभावी उपचार उपलब्ध कराता है।

किसके लिए है उपयोगी: ओआरएस इन परिस्थितियों या बीमारी में हर आयुवर्ग के लोगों को दिया जा सकता है। डायरिया, बार-बार उल्टी होने, हैजा, रोटावायरस, नोरोवायरस संक्रमण के कारण वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस होने पर, बहुत ज्यादा गर्मी या लू लगने के दौरान शरीर से बड़ी मात्रा में पानी और लवण निकल जाते हैं। या फिर डेंगू या अन्य बुखार में समुचित मात्रा में न पिए जाने पर व्यक्ति के शरीर में पानी की कमी होने की स्थिति में ओआरएस देना उपयोगी है।

कैसे बनाएं: आजकल बाजार में 5 ग्राम, 10 ग्राम, 21 ग्राम, 50 ग्राम और 75 ग्राम जैसे विभिन्न आकार के ओआरएस पैकेट उपलब्ध हैं। केवल पैकेट का आकार देखकर पानी की मात्रा तय नहीं करें। साफ या उबले और ठंडे किए गए पानी में ही घोलें। पूरे पैकेट को एक साथ निर्धारित मात्रा के पानी में ही घोलें। यदि आधा पैकेट इस्तेमाल करना हो, तो बिना माप के ऐसा न करें, क्योंकि नमक और ग्लूकोज का अनुपात बिगड़ सकता है। घोल तैयार होने के बाद उसे 24 घंटे के भीतर उपयोग कर लें। 24 घंटे बाद बचा हुआ घोल फेंक दें और नया घोल बनाएं।

घर में करें तैयार: यदि बाजार का ओआरएस उपलब्ध न हो, तो घर में भी आसानी से बनाया जा सकता है। 1 लीटर साफ पानी, 6 समतल छोटी चम्मच चीनी और आधी छोटी चम्मच नमक को अच्छी तरह मिलाकर तुरंत उपयोग करें।

रहें सतर्क: ओआरएस पीने से पहले हमेशा पैकेट पर लिखे गए निर्देशों का पालन करें। विशेषकर पैकेट पर लिखी पानी की मात्रा का जरूर ध्यान रखें। कम पानी मिलाने से घोल में नमक और शर्करा की मात्रा अधिक हो जाती है, जिससे शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ सकता है। वहीं अधिक पानी मिलाने से घोल बहुत पतला हो जाता है और शरीर को आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाते।

इन बातों का रखें ध्यान: डब्ल्यूएचओ या एफएसएसएआई मानक वाला पैकेटबंद ओआरएस ही बेहतर विकल्प है। संतरा, नीबू या अन्य फ्लेवर वाले ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक, स्पोर्ट्स ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक नाम से उपलब्ध पेय यथासंभव अवॉयड करें। इनमें अकसर चीनी और इलेक्ट्रोलाइट्स का अनुपात नियत मात्रा से अधिक होता है, जिससे ये शरीर के लिए लाभकारी नहीं होते हैं। दस्त होने पर हर दस्त के बाद थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ओआरएस दें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

प्रत्येक गांव में करेंगे जनसंवाद कार्यक्रम

पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, संवाद एवं सहभागिता को ओर अधिक मजबूत बनाना अभियान का उद्देश्य

पुलिस का कम्युनिटी पुलिसिंग: गांव-गांव जनसंवाद अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

पुलिस विभाग की ओर से जिले के सभी 374 गांवों में कम्युनिटी पुलिसिंग–गांव-गांव जनसंवाद अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, संवाद एवं सहभागिता को ओर अधिक मजबूत बनाना, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा सुरक्षित, नशामुक्त एवं जागरूक समाज का निर्माण करना है।

इस अभियान के तहत महेंद्रगढ़ जिले के प्रत्येक गांव में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी पहुंचकर जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इन बैठकों में गांव के सरपंच, पंच, नंबरदार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर, पूर्व सैनिक, सेवानिवृत्त पुलिस एवं सरकारी कर्मचारी, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा, महिला प्रतिनिधि तथा अन्य नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा।

बैठकों के दौरान पुलिस ग्रामीणों से उनके सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त करेगी, ताकि पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनहितैषी बनाया जा सके। साथ ही लोगों को साइबर अपराध, नशा तस्करी, महिला एवं बाल सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, आपातकालीन सेवाओं तथा कानून व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर हर गतिविधि करेंगे कवर

एसपी दीपक ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा है कि अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव में प्रमुख नागरिकों की सहभागिता से एक ग्राम जनसहयोग/कम्युनिटी पुलिसिंग व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है। इस ग्रुप के माध्यम से गांव में होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियों, पुलिस की जनहित योजनाओं, नशा मुक्ति अभियान, साइबर जागरूकता कार्यक्रमों तथा कानून व्यवस्था से संबंधित सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान किया जाएगा। यदि गांव में कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देता है, अपराधी गतिविधि, नशे का कारोबार, असामाजिक तत्वों की मौजूदगी अथवा किसी प्रकार की संदिग्ध घटना की जानकारी मिलती है, तो उसे तुरंत पुलिस तक पहुंचाने का आग्रह किया जाएगा। एसपी ने कहा कि अपराध नियंत्रण केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और पुलिस की साझा जिम्मेदारी है। जब आमजन और पुलिस एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है और समाज को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ पुलिस का उद्देश्य केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि लोगों के साथ विश्वास का मजबूत रिश्ता स्थापित करना है। विशेष रूप से युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखकर शिक्षा, खेल, रोजगार और सकारात्मक जीवनशैली की ओर प्रेरित करना इस अभियान की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

सप्ताह में एक दिन चलेगा यातायात चेकिंग अभियान

नारनौल। जिला में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष साप्ताहिक यातायात अभियान शुरू किया जा रहा है। यह अभियान ट्रैफिक डीएसपी डॉ. कविता के नेतृत्व एवं देखरेख में पूरे जिले में चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत सप्ताह में एक दिन पूरे जिले में व्यापक स्तर पर विशेष यातायात चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। चेकिंग के दौरान वाहन के आवश्यक दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र, फिटनेस एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। साथ ही बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाना, सीट बेल्ट का प्रयोग न करना, ओवर स्पीडिंग, खतरनाक तरीके से वाहन चलाना तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त जिन वाहनों की वैधता (फिटनेस/पंजीकरण आदि) समाप्त हो चुकी है और वे सड़क पर संचालित पाए जाएंगे, उन्हें नियमानुसार इम्पाउंड किया जाएगा। बिना नंबर प्लेट अथवा नियमों के विपरीत नंबर प्लेट लगे वाहनों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें इम्पाउंड किया जाएगा।

खबर संक्षेप

विधवा सेल की समन्वय समीक्षा बैठक

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरपर्सन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. रितु वाईके बहल के दिशा-निर्देशानुसार सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मैडम नीलम कुमारी ने एडीआर सेंटर में विधवा सेल और मॉडल प्रॉसिक्यूशन स्कीम की समन्वय समीक्षा बैठक ली। सीजेएम नीलम कुमारी ने कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विधवा सेल और मॉडल प्रॉसिक्यूशन स्कीम के जरिए जरूरतमंदों व पीड़ितों को समयबद्ध न्याय और प्रशासनिक सहायता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि असहाय महिलाओं व विधवाओं के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है।

आईटीआई के मेले में 35 युवाओं को मिला रोजगार

नारनौल। जिला रोजगार कार्यालय व राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन किया। जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह रावत ने हरियाणा रोजगार विभाग के दिशा निर्देशानुसार 20 से 24 जुलाई तक मनाए जा रहे व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह के तहत आयोजित इस मेले में उपस्थित युवाओं को करियर निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। मेले में 72 योग्य प्रार्थियों ने अपना पंजीकरण कराकर भाग लिया, जिसमें से कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा योग्यता और साक्षात्कार के आधार पर 35 युवाओं को विभिन्न पदों के लिए प्रारंभिक रूप से चयनित किया गया।

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने राष्ट्रपति के नाम सीटीएम को सौंपा ज्ञापन

भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के खिलाफ प्रदर्शन

अमेरिकी डेयरी उत्पादों के आसानी से आयात होने पर लाखों दुग्ध उत्पादक परिवार बर्बाद हो जाएंगे

नारनौल। सीटीएम डॉ. मंगल सेन को ज्ञापन सौंपते संगठन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान पर ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने बुधवार को भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के खिलाफ लघु सचिवालय में विरोध प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सीटीएम डॉ. मंगल सेन को सौंपा। प्रदर्शन में किसान भाजपा की मोदी सरकार अमेरिकी डील से दूर हटो, किसान व किसानी को बर्बाद करने वाले इस मुक्त व्यापार समझौते को थोपने पर रोक लगाओ, प्रदर्शन में जंतर-मंतर पर एकत्रित छात्रों-युवाओं पर बर्बरता पूर्ण पुलिसिया जुल्म के खिलाफ भी आक्रोश की गूंज सुनाई दी। प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए एआईकेकेएमएस के जिला सचिव डॉ. व्रतपाल सिंह व छाजूराम रावत ने कहा कि यह समझौता देश के मेहनतकश किसान, मजदूरों और आम जनता के हित में नहीं है, बल्कि उनके हितों के खिलाफ है और कॉरपोरेट घरानों के हित में है।

उन्होंने बताया कि अमेरिका में खेती पर भारी सब्सिडी मिलती है, यह पूरी तरह मशीनीकृत है और बड़े कारपोरेट फार्म मॉडल पर आधारित है। वहां केवल दो प्रतिशत किसान हैं, जबकि भारत में 68 प्रतिशत किसान हैं। जिनमें 80 प्रतिशत छोटे व सीमांत किसान हैं।

अगर अमेरिकी अनाज गेहूं चावल आदि, पशु चारा, डेयरी उत्पाद दूध, दही, पनीर, मिल्क पाउडर, दालें, फल सेब, आम, ड्राई फ्रूट्स बादाम, अखरोट आदि, प्रोसेस्ड फूड, बीयर व डीडीजीज (धान, मक्का,जौ, सोयाबीन आदि की खल) जैसे कृषि उत्पाद बगैर टैक्स यानि जीरो परसेंट टैरिफ (आयात शुल्क) पर अपने देश में आएंगे, तो अमेरिकी फसलें भारतीय बाजार में भर जाएंगी। इससे किसान, जो पहले ही एमएसपी की लड़ाई लड़ रहा है, वह इस मुकाबले में टिक नहीं पाएगा और बर्बाद हो जाएगा। इसी तरह डेयरी सेक्टर छोटे और सीमांत किसानों व भूमिहीन ग्रामीण गरीबों पर आधारित है, सहकारी व्यवस्था पर टिका हुआ है। इस प्रकार अमेरिकी डेयरी उत्पादों के आसानी से आयात होने पर लाखों दुग्ध उत्पादक परिवार बर्बाद हो जाएंगे।

बाजार पर होगा विदेशी कम्पनियों का कब्जा

उन्होंने बताया कि यह समझौता किसानों की बलि देकर किया जा रहा है। यह समझौता लघु उद्योग को तबाह कर देगा, क्योंकि इसके लागू होने से देश के बाजार पर विदेशी कंपनियों का कब्जा हो जाएगा। इस समझौते से अमेरिका से आने वाली वस्तुओं पर भारत सरकार कोई टैक्स नहीं लेगी, लेकिन भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी सरकार 18 प्रतिशत टैरिफ लेगी। अतः इस समझौते से कॉरपोरेट घरानों को छोड़कर किसी को फायदा नहीं होगा। कामरेड अभय सिंह ने जिले के किसान व खेत मजदूरों से किसान व किसानी को बर्बाद करने वाले इस समझौते के खिलाफ गांव- गांव में आंदोलन तेज करने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डॉ. व्रतपाल सिंह, छाजूराम रावत, कामरेड अभय सिंह, रामस्वरूप नम्बरदार, शेरसिंह गणियार, ईश्वर सिंह तोताहेड़ी, मास्टर सुबेसिंह, मास्टर बलवंत सिंह सागरपुर, शेरसिंह, रामशरण कसाना, भीमसेन आदि उपस्थित थे।

पेपर लीक के विरोध में युवा जेजेपी-इनसो का प्रदर्शन

- प्रधानमंत्री के नाम सीटीएम को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच व पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की मांग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

जंतर-मंतर पर रोजगार और भविष्य की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर हुए कथित लाठीचार्ज तथा लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों के विरोध में युवा जननायक जनता पार्टी व इनसो कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। जिला उपायुक्त की अनुपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने सीटीएम डॉ. मंगल सेन के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश का युवा एक ओर लगातार पेपर लीक की घटनाओं से प्रभावित हो रहा है, जबकि दूसरी ओर अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाने पर बल प्रयोग का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इससे युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार सवाल उठ रहे हैं और पेपर लीक की घटनाओं के बाद भी व्यवस्था में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। युवा जेजेपी व इनसो ने अपने ज्ञापन में जंतर-मंतर लाठीचार्ज की निष्पक्ष न्यायिक जांच कराने, आरोपित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने, सभी पेपर लीक मामलों की समयबद्ध जांच कर आरोपितों को कड़ी सजा देने तथा भविष्य में पारदर्शी व निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया और पेपर लीक पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, तो लोकतांत्रिक तरीके से प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष सचिन पार्षद, प्रभारी विष्णु डाबड़, अनमोल गुप्ता, बजरंग गुर्जर, शेरू मेहरमपुर, सुनील जेवली, मास्टर हरचंद तोबड़ा, महेंद्र खना, बेदू राता, वीरेंद्र घटाशेर, लालचंद सैनी, संदीप भाखर, नगर प्रसाद, विजय छिलरो, अधिवक्ता सुशील सहरावत, अधिवक्ता विजयपाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नारनौल। ज्ञापन सौंपते जेजेपी कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ने किया विद्यालय निरीक्षण

महेंद्रगढ़। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा तृप्ति श्योराण ने बुधवार को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय आकोदा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों, स्वच्छता, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा विद्यालय परिसर का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों के हित में किए जा रहे कार्यों एवं व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का वातावरण अनुशासित, स्वच्छ एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के अनुकूल है। निरीक्षण के उपरांत अध्यक्षा तृप्ति श्योराण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आह्वान पर चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। विद्यालय प्राचार्या सुषमा सिंह ने तृप्ति श्योराण का पारंपरिक सम्मान की पगड़ी, हिमालय (शॉल) एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम के संयोजक राजेश शर्मा झाड़ली ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान का उद्देश्य केवल पौध लगाना नहीं, बल्कि प्रत्येक पौधे को वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल सुनिश्चित करना है। प्राचार्या सुषमा सिंह ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा ने विद्यालय का निरीक्षण किया और विद्यालय की व्यवस्थाओं की सराहना की। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक, खंड शिक्षा अधिकारी जगमाल सिंह, खेल सहायक विक्रम सिंह, डॉ. हंसराज गुर्जर, वीरेन्द्र श्योराण, दीपक शर्मा, बीना यादव, उर्मिला यादव, नवीन कुमार, सुरेश कुमार आदि मौजूद थे।

हथियार प्रशिक्षण के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रशिक्षण लेते एनसीसी कैडेट्स। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस डिग्री कॉलेज बलाना में 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी नारनौल की ओर से आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के पांचवें दिन कैडेट्स के लिए विभिन्न प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातःकालीन सत्र की शुरुआत ड्रिल प्रशिक्षण से हुई, जिसमें कैडेट्स को सावधान, विश्राम, मार्चिंग एवं अन्य ड्रिल गतिविधियों का अभ्यास कराया गया।

प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन, एकरूपता, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना के विकास पर विशेष बल दिया गया। इसके उपरांत हथियार प्रशिक्षण के अंतर्गत कैडेट्स को इंसास राइफल के विभिन्न भागों, उसके सुरक्षित संचालन, रखरखाव तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने हथियारों के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। दोपहर के सत्र में यातायात निरीक्षक भगत सिंह द्वारा कैडेट्स को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों, सुरक्षित वाहन संचालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, यातायात संकेतों का पालन तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

बचपन प्ले स्कूल में किया येलो-डे सेलिब्रेट

महेंद्रगढ़। स्थानीय मौदाश्रम मंदिर के सामने मौहल्ला जवाहरनगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल स्कूल में येलो डे सेलिब्रेट किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी टीचर्स व बच्चे येलो ड्रेस में आए और भिन्न-भिन्न प्रकार का लंच भी यलो कलर का ही लेकर आए। विद्यालय चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि विद्यालय में येलो-डे मुख्य रूप से बच्चों प्री प्राइमरी और प्राइमरी को पीले रंग की पहचान कराने और उन्हें रंगो के महत्व व उनकी विशेषताओं को खेल-खेल में सीखाने के लिए मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता में इसे अत्यंत शुभ माना जाता है जो पवित्रता, समृद्धि और मानसिक शांति को दर्शाता है। यह रंग हमारे जीवन, स्वास्थ्य और आस्था में विशेष महत्व रखता है। इस अवसर पर विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी, एमडी कुलदीप सैनी, प्राचार्या शालिनी गोयल, बचपन हेड पूनम गोस्वामी, उप प्राचार्या मोनिका दीवान एवं प्रवक्ता अमरसिंह आदि मौजूद रहे।

विपक्ष का आचरण लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं: अमित

महेंद्रगढ़। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला महामंत्री अमित मिश्रा ने प्रधानमंत्री आवास के निकट विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित विपक्षी नेताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक राजनीतिक दल को अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार है, लेकिन विरोध का तरीका संविधान, कानून और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप होना चाहिए। बुधवार प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अमित मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।

नांगल चौधरी। नीट क्वालिफाई विद्यार्थियों को सम्मानित करते चेयरमैन दयाराम यादव।

लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करें नीट क्वालिफाइड रहे विद्यार्थी: दयाराम

नांगल चौधरी। सरस्वती पब्लिक स्कूल में प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के चेयरमैन दयाराम यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नीट क्वालिफाई रहे चार पूर्व विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने विशेषज्ञ चिकित्सक का टारगेट निर्धारित करके पढ़ाई करने का आह्वान किया, जिससे गांव स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए लक्ष्य, निरंतर मेहनत और अनुशासित दिनचर्या का अनुसरण करना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को केवल नीट क्वालीफाई करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि विशेषज्ञ चिकित्सक बनने का लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन और समर्पण के साथ अध्ययन करना चाहिए, क्योंकि दृढ़ इच्छाशक्ति और नियमित प्रयास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। इस दौरान नीट क्वालिफाई रहे विद्यार्थियों ने जूनियर विद्यार्थियों को सफलता के टिप्स बताए।

संगठन की मजबूती की ओर एक महत्वपूर्ण कदम: वासुदेव यादव

नारनौल। विधानसभा नारनौल के हुडीना मंडल के 12 शक्ति केंद्रों में बतौर मण्डल प्रभारी संगठन की मजबूती के लिए टिफिन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम, प्रधानमंत्री के मन की बात, एसआईआर को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान वासुदेव यादव ने कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय वातावरण में संवाद स्थापित किया। संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने पर चर्चा की। सभी शक्तिकेंद्रों पर कार्यकर्ताओं और आमजन में भाजपा सरकार को लेकर सकारात्मक और प्रसन्नता का भाव देखने को मिला। वासुदेव यादव ने बताया टिफिन बैठक केवल साथ बैठकर भोजन करने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के बीच आत्मीय संवाद, संगठनात्मक समन्वय, विचार-विमर्श और बूथ स्तर तक संगठन को ओर अधिक सशक्त बनाने का माध्यम है। बैठक के दौरान साथ में डॉ अनिल कुमार, मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार व सभी ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्तागण मौजूद रहे। बैठक गांव सिहमा, जाटगुवाना, खासपुर, लहरोदा, निवाजनागर, हाजीपुर, नांगल काठा, चिंडालिया खोडमा, डेरोली आदि शक्ति केन्द्रों पर की गई।

मुख्य अतिथि तृप्ति श्योराण ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

आरपीएस विद्यालय खातोद में ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

आरपीएस वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खातोद में आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ के तीसरे दिन बालिका खेलकूद का शुभारंभ एक गरिमामय एवं भव्य समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम में हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन तृप्ति श्योराण ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि समारोह की अध्यक्षता आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने की।

इस दौरान एसडीएम योगेश सैनी आईएएस, डीपीओ शालू यादव, डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड वेल्फेयर ऑफिसर राजेंद्र सिंह, चेयरपर्सन जिला बाल कल्याण राजेश गोयल, जिला बाल संरक्षक अधिकारी संदीप कुमार, डीईओ डॉ. विश्वेश्वर कौशिक, बीईओ जगमाल सिंह, एईओ विक्रम सिंह, इंस्पैक्टर मंजू सिंह, राजेश शर्मा झाड़ली, दीपक कुमार विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

महेंद्रगढ़। पौधरोपण कर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए। फोटो: हरिभूमि

पारंपरिक नृत्यों और देशभक्ति गीतों की गूंज के बीच जैसे ही मुख्य अतिथि ने झंडी दिखाकर खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत की, मैदान खिलाड़ियों के गगनभेदी नारों और उत्साह से गूंज उठा। विभिन्न स्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे बाल खिलाड़ियों में जीत हासिल करने का एक अलग ही जुनून और सकारात्मक ऊर्जा देखने को मिली।

हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन तृप्ति श्योराण ने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास का आधार हैं। ब्लॉक स्तर की इस प्रकार की प्रतियोगिताएं ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को तराशने में अहम भूमिका निभाती हैं।

बाल अधिकारों के संरक्षण के साथ-साथ हर बच्चे को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का समान अवसर मिलना बेहद आवश्यक है। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस संस्थान सदैव शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देता रहा है। खेल हमें अनुशासन, टीम भावना और विपरीत परिस्थितियों में लड़कर आगे बढ़ना सिखाते हैं।

इनमें दिखाया दमखम

प्रतियोगिता के तीसरे दिन एथलेटिक्स, कबड्डी और वॉलीबॉल सहित कई अन्य खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। अंडर-19 बालिका वॉलीबॉल में पहला मैच यदुवंशी स्कूल सतनाली बनाम संस्कार भारती पाली के बीच खेला गया, जिसमें यदुवंशी स्कूल सतनाली ने जीत दर्ज की। दूसरा मैच आरपीएस महेंद्रगढ़ बनाम एसएसएन माजरा कलां के बीच खेला गया, जिसमें आरपीएस महेंद्रगढ़ ने जीत हासिल की।

राष्ट्रीय सैनी सभा व दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच ने रेल सुविधाओं के विस्तार की उठाई मांग

कटरा के लिए सीधी ट्रेन समेत 4 प्रमुख रेल चले मांगों को लेकर रेलमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच ने क्षेत्र की रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर स्टेशन अधीक्षक महावीर प्रसाद के माध्यम से रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में माता वैष्णो देवी कटरा के लिए सीधी एक्सप्रेस ट्रेन, हरिद्वार के लिए नियमित ट्रेन सेवा, नारनौल रेलवे स्टेशन पर पिक एंड ड्रॉप सुविधा तथा बांद्रा–चंडीगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस के दैनिक संचालन सहित कई महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं। सभा ने दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच की ओर से आरपीसी (रिंगस–फुलेरा कॉरिडोर) रेल मार्ग के विकास और रेल सेवाओं के विस्तार को लेकर चलाए जा रहे अभियान का समर्थन करते हुए कहा कि इन मांगों के पूरा होने से हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के लाखों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन हजारों यात्री सफर करते हैं, लेकिन स्टेशन परिसर में यात्रियों को छोड़ने और लेने आने वाले वाहनों के लिए व्यवस्थित पिक एंड ड्रॉप सुविधा नहीं है। उन्होंने मुख्य प्रवेश द्वार के समीप सर्कुलेटिंग एरिया में कम से कम 10 वाहनों के लिए 15 मिनट की समय सीमा वाला पिक एंड ड्रॉप जोन तथा यात्रियों के लिए दो बेंच स्थापित करने की मांग की।

मांगों के पूरा होने से हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के लाखों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा

नारनौल। स्टेशन अधीक्षक महावीर प्रसाद को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक व पर्यटन विकास को मिलेगी गति

दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच से अशोक कटारिया ने बताया कि अहमदाबाद-अजमेर-रिंगस-नारनौल-रेवाड़ी रेल मार्ग पर माता वैष्णो देवी कटरा और जम्मू के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं है। हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मार्ग से यात्रा करते हैं, लेकिन उन्हें बीच रास्ते ट्रेन बदलनी पड़ती है। उन्होंने इस कॉरिडोर पर कटरा के लिए नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने की मांग की। ट्रेन संख्या 22451/22452 बांद्रा-चंडीगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो वर्तमान में सप्ताह में दो दिन संचालित होती है, जिसका प्रतिदिन संचालन शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे नारनौल, अटेली, रेवाड़ी और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को नियमित रेल सुविधा मिल सकेगी। क्षेत्र से हरिद्वार के लिए कोई सीधी रेल सेवा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने हरिद्वार के लिए नियमित एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने तथा ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों को स्थायी रूप से नियमित ट्रेन के रूप में संचालित करने की मांग की। ज्ञापन में कहा कि इन मांगों के पूरा होने से विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षार्थियों, व्यापारियों, कर्मचारियों, श्रद्धालुओं व आम यात्रियों को राहत मिलेगी, साथ ही दक्षिण हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बीच संपर्क मजबूत होगा और क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन विकास को गति मिलेगी। दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच की ओर से अशोक कटारिया, महेश बखालिया, मनीष कोली, जीतू कोली, विनोद सोनी, सतीश सैनी, धर्मेंद्र सैनी, विनोद वर्मा, जतिन जांगिड़, विनोद यादव, रामकिशन, अमित कुमार, दौलत राम, महावीर प्रसाद, साधुराम मिस्त्री, अनुप शर्मा, इंदर कुमार, सक्षम सैनी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

लोकतंत्र का गला घोंट रही है केंद्र सरकार

महेंद्रगढ़। जंतर मंतर पर प्रशासन और छात्रों के बीच हुए विवाद को इनसो के पूर्व जिलाध्यक्ष व युवा जननायक जनता पार्टी के प्रदेश सचिव अभिषेक कुरहावटा ने लोकतंत्र की हत्या की संज्ञा दी है। अभिषेक ने बताया सोनम वांगचुक 21 दिन तक भूख हड़ताल रूपी संघर्ष की आग में तप रहे थे तब सरकार को सुध लेनी चाहिए थी। परंतु सरकार ने अहंकारी अथवा अड़ियल रुख अपनाकर पुलिस द्वारा सफेद कफन रूपी चदर में लपेटकर ले जाने से मानवाधिकार का गला घोटा है। युवा जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिग्विजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में तमाम युवा के पदाधिकारी दिल्ली गए थे।

लिंगानुपात सुधारने में योगदान दें ग्रामीण

नांगल चौधरी। भोजावास स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र पर लिंगानुपात सुधार एवं कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएचसी इंचार्ज डॉ. शक्ति सिंह व सिरोही बहाली पीएचसी इंचार्ज डॉ. योगेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। शिविर में एसडीएम उदय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि बेटा और बेटी में कोई फर्क है। आज बेटियां शिक्षा, खेल, प्रशासनिक सेवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं सहित हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं तथा कई मामलों में बेटों से भी बेहतर उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

बरसात में नंगे पैर सड़कों पर उतर वकीलों ने किया प्रदर्शन

कोर्ट परिसर से महेन्द्रगढ़ रोड तक पैदल मार्च निकालकर सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

नारनौल। लाठीचार्ज के विरोध में मार्च निकालकर प्रदर्शन करते वकील। फोटो: हरिभूमि

नांगल चौधरी। केंद्रीय शिक्षामंत्री का पूतला फूंकते युवा कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को वकीलों ने विरोध प्रदर्शन किया। बारिश के बीच वकीलों ने नंगे पैर कोर्ट परिसर से महेन्द्रगढ़ रोड तक पैदल मार्च निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था की खामियों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि देश का युवा अपने भविष्य और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग कर रहा है, लेकिन उसकी आवाज सुनने के बजाय पुलिस के जरिए दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और उस पर लाठीचार्ज किसी भी सूरत में उचित नहीं ठहराया जा सकता। बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों का उत्साह कम नहीं हुआ। कई अधिवक्ता नंगे पैर ही सड़क पर मार्च करते हुए सरकार के खिलाफ नारे लगाते रहे। उनका कहना था कि यह छात्रों के दर्द और संघर्ष के प्रति एकजुटता और संवेदना का प्रतीक है। उन्होंने जंतर-मंतर लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने, छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक आधार पर इस्तीफा लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि छात्रों के साथ हुई ज्यादती के आरोपितों पर कार्रवाई नहीं हुई और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

लाठीचार्ज के विरोध में युवाओं का प्रदर्शन

नांगल चौधरी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में युवाओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अस्थायी बस स्टैंड पर एकत्रित होकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंककर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान शहर में यातायात जाम की स्थिति बनी रही। पूर्व पार्षद प्रतिनिधि सोनू तंवर, राहुल कुमार, राहित तंवर, साहिल सैनी, महेश सैनी, खजान सिंह, सोमदत जांगिड़, राजू सैनी, ईश्वर सैन का कहना था कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे युवाओं पर बल प्रयोग करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। आरोप लगाया कि सरकार जनहित से जुड़े मुद्दों पर संवाद करने के बजाय विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है, जिससे युवाओं में भारी रोष है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन को 25 दिन से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से अब तक कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया या ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। उनका कहना था कि सरकार जनभावनाओं की लगातार अनदेखी कर रही है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

जिला कांग्रेस ने किया लघु सचिवालय पर प्रदर्शन

नारनौल। सीटीएम को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

- छात्रों पर कार्रवाई को बताया लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला कांग्रेस पार्टी ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में लघु सचिवालय परिसर में बुधवार धरना-प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम सीटीएम डा. मंगलसेन को ज्ञापन सौंपते हुए घटना की निष्पक्ष जांच, छात्रों पर दर्ज मामलों को वापस लेने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्यवीर झुकिया ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लगातार युवाओं के अधिकारों और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग उठाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 21 जुलाई को छात्रों के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास के निकट शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अनेक कांग्रेस सांसदों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। वहीं हरियाणा में चंडीगढ़ स्थित राजभवन का घेराव करने जा रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह तथा कई कांग्रेस विधायकों को भी गिरफ्तार किया गया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की।

इस मौके पर डॉ राजवती यादव, राव होशियार सिंह, तोताराम कोहली, एडवोकेट मंजीत यादव, नारनौल ब्लॉक अध्यक्ष मनपाल यादव, अटेली ब्लॉक अध्यक्ष सुमेर सिंह, सीहमा ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर यादव, निजामपुर ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार, नांगल चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम यादव, महेंद्रगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष तेजपाल प्रजापति, नंदलाल, सुमित चौधरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

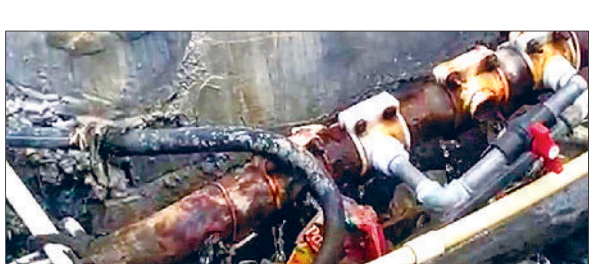

महेंद्रगढ़। लीकेज पाइप लाइन। फोटो: हरिभूमि

दूषित पानी की सप्लाई आंदोलन की चेतावनी

महेंद्रगढ़। गांव बुडिन के ग्रामीणों ने गांव में जल जीवन मिशन के तहत हर घर शुद्ध जल योजना के समुचित लाभ नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए इस संबंध में सांसद, विधायक, उपायुक्त, एसडीएम को पत्र भेजे हैं। ग्रामीणों ने समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। ग्रामीण सिद्धार्थ हाड़ा, हनुमान, मनीष, रवीश, लीलूराम, अक्षय ने बताया कि गांव में जल जीवन मिशन के तहत हर घर शुद्ध जल योजना का लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव में कई स्थानों पर पाइपलाइन लीकेज के कारण दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। साथ ही गांव में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण गंदा पानी जमा हो रहा है, जिससे पेयजल लाइन प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों का आरोप है कि पानी की लीकेज के कारण नालियों में पानी बहता रहता है वहीं गंदा पानी सप्लाई हो रहा है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में यह भी कहा गया कि गांव में जो पानी सप्लाई किया जाता है, उसका टीडीएस स्तर 2700 से अधिक है, जो पीने योग्य नहीं होने के साथ स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मौके का निरीक्षण करवाकर पानी की गुणवत्ता की जांच कराने तथा पाइपलाइन और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से जनहित में मामले का शीघ्र समाधान करवाने की मांग की है।

श्रीकृष्ण स्कूल के कबड्डी खिलाड़ी ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में रहे प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। खिलाड़ियों को सम्मानित करते चैयरमेन। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस स्कूल में आयोजित चार दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में श्रीकृष्ण स्कूल के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्रतियोगिता के शुरुआती चरणों में श्रीकृष्ण स्कूल के अंडर-14 आयुवर्ग के कबड्डी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया।

खेल प्रशिक्षक महीपाल यादव ने बताया कि यह खेल प्रतिस्पर्धा 20 से 23 जुलाई तक आयोजित की जा रही है। इसके पहले दो दिन लड़कों के मुकाबले करवाए गए, वहीं अंतिम दो दिन अन्य खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि कबड्डी के सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीकृष्णा स्कूल की टीम ने मेजबान आरपीएस स्कूल की टीम को धूल चटाई। फाइनल मुकाबला संस्कार भारती स्कूल के साथ हुआ, जिसमें श्रीकृष्णा स्कूल महेंद्रगढ़ की टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर पहला स्थान प्राप्त किया।

कबड्डी के अलावा एथलेटिक्स में भी स्कूल का दबदबा रहा। अंडर-17 आयुवर्ग की 100 मीटर दौड़ में हिमांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं अंडर-19 आयुवर्ग की हाई जंप प्रतियोगिता में दीपेंद्र ने पहला स्थान पाकर स्कूल का नाम रोशन किया। चेयरमैन डा. बीरसिंह यादव ने कहा कि आज हमारे श्रीकृष्णा स्कूल के परिवार के लिए बेहद गर्व का दिन है। सीईओ कर्मवीर राव ने यह बड़ी सफलता इस बात का प्रमाण है कि श्रीकृष्णा स्कूल महेंद्रगढ में शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी कितना महत्व दिया जाता है।

डबल इंजन सरकार का विपक्ष व युवाओं के खिलाफ प्रदर्शन लोकतंत्र से मजाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आज हरियाणा बीजेपी की प्रदेश अध्यक्ष और बड़े नेताओं का रोहतक में देश के युवाओं ओर विपक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना यह साबित करता है कि आज लोकतंत्र का मजाक उड़ाया जा रहा है और विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों को मजाकिया अंदाज में प्रदर्शित किया जा रहा है।

यह बात बुधवार प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से नारनौल ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मनपाल पटीकरा ने कही। उन्होंने कहा कि जंतर मंतर पर युवाओं की जो लड़ाई पिछले लगभग एक महीने से लड़ी जा रही है, उस लड़ाई को दबाने का एक नया अंदाज बीजेपी पार्टी और सरकार के द्वारा किया जा रहा है। ऐसा पहली बार देखा जा रहा है कि कोई सत्तारूढ़ पार्टी प्रदर्शन करके युवाओं की आवाज और विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। इससे यह साबित होता है कि भाजपा सरकार के पास विकास का कोई मुद्दा नहीं बचा तो आज उन्होंने विपक्ष के मुद्दों को ही लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया और कहीं ना कहीं लोगों से सहानुभूति लूटने का नया तरीका निकालने का प्रयास किया। इससे साबित होता है कि लोकतंत्र का मजाक देश ओर प्रदेश की सरकार उड़ा रही है लेकिन युवाओं और विपक्ष का है प्रदर्शन इस सरकार को झुकने के लिए मजबूर कर देगी।

धन्नौदा से अंडरपास रोड की तरफ अब डाली जाएगी 8 इंच पेयजल लाइन

सीसी रोड को तोड़कर डाली जा रही नई पेयजल लाइन

नए रोड को तोड़ना नागरिकों के टैक्स के पैसे की बर्बादी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। नई पेयजल लाइन के लिए सीसी रोड तोड़ते हुए। फोटो: हरिभूमि

अटेली कस्बे के धन्नौदा से अंडरपास को जाने वाले रोड को जनस्वास्थ्य विभाग की ओर नई पेयजल लाइन लगाने के लिए पोपलेड मशीन से तोड़ा जा रहा है। यह कस्बे के बेहतर रोड में शुमार होता है।

धन्नौदा रोड से अंडरपास रोड की तरफ अब चार इंच पेयजल लाइन के स्थान पर आठ इंच लाइन डालने से इस तरफ रहने वाले घरों को प्रेशर से पानी मिलेगा। कस्बा वासी सुनील प्रजापति, महेश जांगिड़, सुनिल कुमार, विजय गुप्ता आदि ने बताया कि रोड के साइड से भी लाइन दबाई जा सकती थी। सीमेंटेड रोड को तोड़ना समझ से परे है। नए रोड को तोड़ना नागरिकों के टैक्स के पैसे की बर्बादी है। वैसे यहां के लोगों को पेयजल की व्यवस्था भी जरूरी है। हम चाहते है कि जिन स्थानों पर पेयजल नहीं पहुंच रहा, वहां पेयजल की आपूर्ति की जाए, लेकिन नियमों व सरकार के टैक्स की बर्बादी भी कम होनी चाहिए। अब यह रोड टूटने से वाहन चालकों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

क्या कहते हैं जेई

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई दीपक कुमार ने बताया कि उक्त घरों में चार इंच पेयजल लाइन से प्रेशर कम होने से समुचित आपूर्ति नहीं होने के चलते लोगों ने नई पेयजल लाइन की मांग की गई थी। ढाई साल पहले इसकी अनुमति मांगी, जो अब स्वीकृत होने से आठ इंच लाइन डाली जाएगी।

क्या कहते हैं पार्षद

वार्ड तीन की पार्षद प्रेमलता के प्रतिनिधि बिरेंद्र ने बताया कि इस साइड रहने वाले लोगों की मांग पर स्वास्थ्य मंत्री से पेयजल लाइन की मांग की थी। उस पर यह कार्रवाई हो रही है। मंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मंत्री क्षेत्र की समस्याओं को सुनकर उनका निवारण कर रही है।

हरियाणा में 27 जुलाई से शुरू होंगी कक्षा 9वीं से 12वीं की सेट-1 परीक्षाएं

नारनौल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा नौवीं से 12वीं तक के छात्रों की सेट परीक्षाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद हरियाणा ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 'स्टूडेंट असेसमेंट टेस्ट' की घोषणा कर दी है। ये परीक्षाएं 27 जुलाई से शुरू होकर एक अगस्त तक संचालित की जाएंगी। जारी आधिकारिक मेमो संख्या के अनुसार सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को परीक्षा का संचालन पूरी गोपनीयता और सख्ती के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मूल्यांकन और अंकों की एंट्री उसी दिन अनिवार्य रहेगी। परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन संबंधित विषय के शिक्षकों द्वारा परीक्षा वाले दिन ही पूरा किया जाएगा। मूल्यांकन के बाद छात्रों के अंक उसी दिन अवसर ऐप या एमआईएस पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005